10 साल में बनाएं 5 लाख का फंड

100 रुपये से शुरू करें सुरक्षित निवेश

जमा राशि पर मिलेगा लोन का विकल्प

नई दिल्ली, 06 जुलाई. सुरक्षित निवेश और गारंटीड रिटर्न की तलाश कर रहे लोगों के लिए पोस्ट ऑफिस की आवर्ती जमा (आरडी) योजना एक भरोसेमंद विकल्प बनी हुई है. इस योजना में महज 100 रुपये प्रतिमाह से निवेश शुरू किया जा सकता है और नियमित बचत के जरिए बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है.

यदि कोई निवेशक रोज 100 रुपये यानी हर महीने 3,000 रुपये जमा करता है और इस निवेश को 10 वर्षों तक जारी रखता है, तो मौजूदा 6.7 फीसदी वार्षिक ब्याज दर के आधार पर उसे पांच लाख रुपये से अधिक की राशि मिल सकती है. यही वजह है कि जोखिम से बचने वाले निवेशकों के बीच यह योजना लगातार लोकप्रिय बनी हुई है.

> यदि निवेशक तीन वर्ष पूरे होने के बाद समय से पहले खाता बंद करता है, तो उसे आरडी की ब्याज दर के बजाय केवल पोस्ट ऑफिस बचत खाते के अनुसार ब्याज मिलेगा. ऐसे में यह योजना नियमित बचत के साथ सुरक्षित और दीर्घकालिक पूंजी निर्माण का अच्छा विकल्प मानी जाती है.

पोस्ट ऑफिस की राष्ट्रीय बचत आवर्ती जमा योजना (आरडी) की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सुरक्षा और निश्चित रिटर्न है. इस योजना में शेयर बाजार की तरह उतार-चढ़ाव का कोई जोखिम नहीं होता. दस वर्षों में निवेशक कुल 3 लाख 60 हजार रुपये जमा करता है. मौजूदा ब्याज दर के अनुसार इस पर करीब 1 लाख 52 हजार 565 रुपये ब्याज मिलता है. इस तरह मैच्योरिटी पर कुल 5 लाख 12 हजार 565 रुपये का फंड तैयार हो जाता है.यह योजना आम लोगों को ध्यान में रखकर बनाई गई है. कोई भी भारतीय नागरिक अपने नाम से या संयुक्त खाते के रूप में इसमें निवेश कर सकता है. बच्चों के नाम पर भी आरडी खाता खोला जा सकता है. यदि बच्चे की उम्र 10 वर्ष या उससे अधिक है, तो उसके नाम पर सीधे खाता खोला जा सकता है.

चांदी 1,200 रुपये लुढ़की सोना भी हुआ सस्ता

नई दिल्ली, 6 जुलाई सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोना और चांदी दोनों की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई. वायदा बाजार में चांदी की कीमतों में सबसे ज्यादा कमजोरी देखने को मिली, जहां यह करीब 1,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक टूट गई. वहीं, 24 कैरेट सोना भी दबाव में रहा और 10 ग्राम का भाव करीब 800 रुपये तक फिसल गया. अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर की मजबूती और पिछले कुछ दिनों की तेजी के बाद निवेशकों की मुनाफावसूली के चलते दोनों कीमती धातुओं पर दबाव बना रहा.

घरेलू वायदा बाजार में सोना चार कारोबारी सत्रों की लगातार बढ़त के बाद गिरावट के साथ कारोबार करता दिखा. दूसरी ओर चांदी में शुरुआती कारोबार के दौरान तेज बिकवाली देखने को मिली.

जून में वाहन बिक्री 25 .57 लाख इकाई हुई

दोपहिया और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में तेज़ उछाल

बाजार में मजबूत मांग का संकेत

नयी दिल्ली, 06 जुलाई देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर ने जून महीने में मजबूत प्रदर्शन करते हुए बिक्री के नए रिकॉर्ड बनाए हैं. फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, जून 2026 में वाहनों की खुदरा बिक्री 21.83 प्रतिशत बढ़कर 25,57,234 इकाई हो गई.

पिछले वर्ष इसी अवधि में यह आंकड़ा 20,98,996 इकाई था. यह वृद्धि भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में लगातार बढ़ती मांग और उपभोक्ता विश्वास को दर्शाती है. बताया गया कि सभी प्रमुख वाहन सेगमेंट में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई है. यात्री वाहनों की बिक्री 28.63 प्रतिशत बढ़कर 4,10,853 इकाई पहुंच गई, जो नए मॉडल्स की लॉन्चिंग, आसान फाइनेंस और बढ़ती आय के कारण संभव हुआ. दोपहिया वाहनों की बिक्री 21.22 प्रतिशत बढ़कर 18,28,458 इकाई रही, जिससे ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में मांग मजबूत होने का संकेत मिलता है.

> फाडा अध्यक्ष ने कहा कि जून 2026 अब तक का सबसे बेहतर जून साबित हुआ है. उनके अनुसार, यह प्रदर्शन बाजार में मजबूत मांग और सकारात्मक उपभोक्ता भावना का परिणाम है .रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जुलाई और आगामी तिमाही को लेकर डीलरों का रुझान सकारात्मक बना हुआ है. लगभग आधे से अधिक डीलरों को बिक्री में वृद्धि की उम्मीद है, जबकि बाकी स्थिर बाजार की संभावना देख रहे हैं. मानसून की स्थिति, ग्रामीण आय में सुधार और ईंधन कीमतों में स्थिरता को आगे की मांग के प्रमुख कारक माना जा रहा है.

रेलवे का स्वच्छता पर सख्त अभियान प्रारंभ

हावड़ा, 6 जुलाई स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूर्व रेलवे ने आज हावड़ा रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक भव्य समारोह में अपने व्यापक स्वच्छता जागरूकता अभियान के दूसरे चरण 'ईस्टर्न रेलवे इज़ वॉचिंग यू' का औपचारिक शुभारंभ किया.

यह अभियान इस वर्ष अप्रैल में प्रारंभ किया गया था और आज का यह कार्यक्रम पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देऊस्कर के गतिशील नेतृत्व में अभियान के नए चरण की शुरुआत का प्रतीक है. इस चरण में रेलवे परिसरों में गंदगी फैलाने और थूकने के विरुद्ध जीरो शून्य सहिष्णुता नीति अपनाई गई है. इस अभियान का मूल संदेश है कि रेलवे परिसर की स्वच्छता बनाए रखने के लिए पूर्व रेलवे हर समय सतर्क है और परिसर की निरंतर निगरानी की जा रही है. क्लोज्ड सर्किट टेलीविज़न (सीसीटीवी) कैमरों के व्यापक नेटवर्क तथा रेलवे कर्मचारियों की सक्रिय निगरानी के माध्यम से यात्रियों की गतिविधियों पर नजर रखीड्ड जाएगी. यदि कोई व्यक्ति गंदगी फैलाते या थूकते हुए पाया जाता है, तो उस पर तत्काल मौके पर ही जुर्माना लगाया जाएगा. जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पूर्व रेलवे ने एक अभिनव पहल भी शुरू की है. यदि कोई रेल यात्री किसी व्यक्ति को गंदगी फैलाते या थूकते हुए देखता है, तो वह उसकी तस्वीर लेकर स्थान का विवरण सहित व्हाट्सऐप नंबर 9002022780 पर भेज सकता है. इसके आधार पर पूर्व रेलवे संबंधित व्यक्ति की पहचान कर उस पर मौके पर ही जुर्माना लगाएगा.

> कार्यक्रम के समापन पर मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझि ने कहा कि यह अभियान केवल नियमों के पालन तक सीमित नहीं है, बल्कि सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. उन्होंने कहा कि पूर्व रेलवे हमेशा जन-जागरूकता के क्षेत्र में अग्रणी रहा है.

कोमाकी ने लॉन्च किए एमजी प्रो वी और एमजी प्रो+ इलेक्ट्रिक स्कूटर

भोपाल, 6 जुलाई. देश के प्रमुख इलेक्ट्रिक व्हीकल ब्रांड्स में से एक, कोमाकी ने अपने नए एमजी प्रो वी और एमजी प्रो+ इलेक्ट्रिक स्कूटर्स लॉन्च किए हैं। कंपनी ने इन्हें क्रमश: 73,999 रुपए और 79,999 रुपए की कीमत पर पेश किया है। खास बात यह है कि इस कीमत में दोनों स्कूटर्स ऑल-मेटल बॉडी के साथ आते हैं, जबकि इस प्राइस रेंज में ज्यादातर इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स फाइबर बॉडी के साथ उपलब्ध हैं।

एमजी प्रो वी और एमजी प्रो+ उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं, जो अपने बजट में मजबूत और भरोसेमंद इलेक्ट्रिक स्कूटर चाहते हैं। मजबूत मेटल बॉडी के साथ ये स्कूटर्स रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए बेहतर परफॉर्मेंस भी देते हैं। जहाँ इस सेगमेंट के ज्यादातर इलेक्ट्रिक स्कूटर्स में फाइबर बॉडी पैनल मिलते हैं, वहीं कोमाकी ने मेटल बॉडी का विकल्प पेश किया है। इससे स्कूटर ज्यादा मजबूत, लंबे समय तक टिकाऊ और चलाने में

73,999 रुपए की शुरुआती कीमत में मिलेगी मेटल बॉडी

अधिक भरोसेमंद महसूस होता है। एमजी प्रो वी एक बार फुल चार्ज होने पर 90 से 100 किलोमीटर तक की रेंज देता है, जबकि एमजी प्रो+ 150 किलोमीटर से ज्यादा की रेंज के साथ आता है। यही वजह है कि दोनों स्कूटर्स रोजाना के सफर के साथ-साथ शहर में लंबी दूरी तय करने के लिए भी बेहतर विकल्प हैं।

अफ्रीका-ब्राजील से 70 लाख बैरल तेल का सौदा

ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने के लिए सरकारी तेल कंपनियों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में बड़ी खरीद

नयी दिल्ली, 06 जुलाई देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और लगातार बढ़ती ईंधन मांग को स्थिर बनाए रखने के लिए भारत की दो प्रमुख सरकारी तेल कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय बाजार से बड़ी मात्रा में कच्चे तेल की खरीद की है. इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने मिलकर लगभग 70 लाख बैरल कच्चे तेल का सौदा किया है.

यह खरीद टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से की गई है और इसकी डिलीवरी अगस्त से सितंबर 2026 के बीच भारत पहुंचने की संभावना है. सूत्रों के अनुसार, इस पूरी खरीद में सबसे बड़ा हिस्सा इंडियन ऑयल का है, जिसने करीब 50 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा है. यह तेल मुख्य रूप से अफ्रीकी देशों अंगोला और नाइजीरिया से लिया गया है.

इस सौदे में अंतरराष्ट्रीय ट्रेडिंग कंपनियों जैसे कैथे पेट्रोलियम, ट्रैफिगुरा और शेवरॉन की भी भूमिका रही है. खरीदे गए कच्चे तेल में अंगोला का किसांजे क्रूड, नाइजीरिया का अगबामी और उसान क्रूड सहित कई प्रमुख ग्रेड शामिल हैं.

> वहीं दूसरी ओर, हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने लगभग 20 लाख बैरल कच्चा तेल ब्राजील से खरीदा है, जिसे टुपी क्रूड कहा जाता है. यह खरीद लैटिन अमेरिका से भारत की ऊर्जा आपूर्ति को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है. इस समय वैश्विक तेल बाजार में कीमतों में उतार-चढ़ाव और सप्लाई को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, ऐसे में यह सौदा रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है. अधिकारियों के अनुसार, इस खरीद का मुख्य उद्देश्य देश में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति को बिना किसी रुकावट के बनाए रखना और रिफाइनरियों की जरूरतों को पूरा करना है.

नोएडा प्रोजेक्ट से कंपनी को बड़ा ऑर्डर

नई दिल्ली , 06 जुलाई माइक्रोकैप कंपनी फाल्कन कॉन्सेप्ट्स लिमिटेड के शेयर सोमवार को चर्चा में आ गए, जब कंपनी ने बताया कि उसे नोएडा के सेक्टर-142 स्थित 'स्प्लेंडर ओनिक्स' कमर्शियल प्रोजेक्ट के लिए 101.92 करोड़ रुपये का बड़ा वर्क ऑर्डर मिला है.

इस सकारात्मक खबर के बाद निवेशकों में खरीदारी का उत्साह बढ़ा और कंपनी के शेयर में 20 प्रतिशत का अपर सर्किट लग गया. कंपनी का कहना है कि यह ऑर्डर स्प्लेंडर इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड से प्राप्त हुआ है. इसके तहत फाल्कन कॉन्सेप्ट्स परियोजना में एल्यूमीनियम ग्लेजिंग, फैसाड और ग्लास से जुड़े कार्यों को अंजाम देगी.

भारतीय शेयर बाजारों में तेजी जारी

521 अंक आगे रहा सेंसेक्स

159 अंक ऊपर रहा निफ्टी

मुंबई, 06 जुलाई घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार चौथे दिन तेजी देखी गयी, हालांकि आईटी सेक्टर की कंपनियों और सार्वजनिक बैंकों में बिकवाली का जोर रहा.

बीएसई का सेंसेक्स 521.16 अंक (0.67 प्रतिशत) चढ़कर 78,285.07 अंक पर पहुंच गया. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 159.50 अंक यानी 0.66 प्रतिशत ऊपर 24,430.35 अंक पर बंद हुआ.

वृहत बाजार में भी तेजी रही. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.45 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.75 प्रतिशत की बढ़त में रहा.ऑटो, धातु, रियल्टी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, तेल एवं गैस, रसायन, निजी बैंक और फार्मा सेक्टरों में तेजी रही. आईटी, सार्वजनिक बैंक और मीडिया सेक्टरों के सूचकांक गिरावट में रहे. सेंसेक्स की कंपनियों में एचडीएफसी बैंक का शेयर साढ़े तीन फीसदी और महिंद्रा एंड महिंद्रा का दो फीसदी मजबूत हुआ.

> कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर चार प्रतिशत के करीब लुढ़क गया. टीसीएस में डेढ़ी फीसदी से ज्यादा गिरावट रही. बजाज फिनसर्व, पावरग्रिड, अडानी पोर्ट्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंफोसिस, आईटीसी, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा और इंडिगो के शेयर भी नीचे बंद हुए.

बारिश कम, कारोबार में दिखा दम

नई दिल्ली, 06 जुलाई. वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में महंगाई, ऊंची कमोडिटी कीमतों और सामान्य से कम बारिश जैसी चुनौतियों के बावजूद देश की प्रमुख एफएमसीजी कंपनियों ने कारोबार को लेकर सकारात्मक तस्वीर पेश की है. डाबर, मैरिको और गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने अपने तिमाही बिजनेस अपडेट में मजबूत मांग, बेहतर बिक्री भविष्य में मार्जिन सुधार की उम्मीद जताई है.कंपनियों के अनुसार, मैरिको को जून तिमाही में अपने कंसोलिडेटेड रेवेन्यू में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की उम्मीद है.

रखाइन संघर्ष से बदलेगा दक्षिण एशिया का समीकरण

नई दिल्ली, 06 जुलाई. म्यांमार के पश्चिमी राज्य रखाइन में जारी संघर्ष अब केवल एक आंतरिक गृहयुद्ध का मामला नहीं रह गया है, बल्कि इसके दूरगामी प्रभाव पूरे दक्षिण एशिया की भू-राजनीति को प्रभावित कर सकते हैं.

भारत और बांग्लादेश की सीमा से सटे इस क्षेत्र में अराकान आर्मी की लगातार बढ़ती सैन्य ताकत और म्यांमार की सैन्य सरकार की कमजोर होती पकड़ ने ऐसे सवाल खड़े कर दिए हैं कि क्या भविष्य में रखाइन व्यवहारिक रूप से एक अलग राजनीतिक इकाई का रूप ले सकता है. हालांकि अभी किसी नए देश के गठन की आधिकारिक प्रक्रिया या अंतरराष्ट्रीय मान्यता जैसी स्थिति नहीं है, लेकिन क्षेत्र में बदलते शक्ति संतुलन ने इस संभावना पर चर्चाएं तेज कर दी हैं.

साल 2009 में स्थापित अराकान आर्मी ने सीमित संसाधनों से शुरुआत की थी, लेकिन अब वह म्यांमार की सबसे प्रभावशाली विद्रोही ताकतों में शामिल हो चुकी है.

समाचार विशेष

चन्नी गुट की खुली बगावत! वडिंग के खिलाफ मोर्चा

चंडीगढ़. आगामी पंजाब विधानसभा से पहले प्रदेश कांग्रेस के संगठन में फेरबदल को लेकर पार्टी के अंदर खींचतान शुरू हो गई है. चन्नी गुट और राजा वडिंग गुट शक्ति-परीक्षण कर रहे हैं. नए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग को लेकर प्रदेश में असंतोष अब खुलकर सामने आ चुका है.

इस बीच, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के मोरिंडा आवास पर उनके समर्थकों का लगातार दूसरे दिन जमावड़ा लगा. इस दौरान पार्टी नेतृत्व, खासकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजा वडिंग की कार्यशैली पर जमकर सवाल उठाए गए.

पंजाब में चुनाव से पहले कांग्रेस की बढ़ीं मुश्किलें

मीडिया सूत्रों के अनुसार, चन्नी के आवास पर हुई बैठक में मौजूद पूर्व विधायकों और नेताओं ने खुले तौर पर राजा वडिंग के नेतृत्व चुनौती दी. नेताओं का कहना है कि 2022 विधानसभा चुनाव में हार और उसके बाद प्रदेश में पार्टी के प्रदर्शन को देखते हुए कार्यकर्ता राज्य में बदलाव की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन पार्टी आलाकमान ने नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं किया. इससे कार्यकर्ताओं में गलत संदेश गया. आगामी विधानसभा चुनाव से पहले इस पूरे घटनाक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब प्रदेश कांग्रेस में लड़ाई केवल पदों तक ही सीमित नहीं रह गई है.

असल लड़ाई 2027 विधानसभा चुनाव में पार्टी के चेहरे की है. पूर्व सीएम चन्नी को प्रदेश कांग्रेस में कैंपेन कमेटी का चेयरमैन बनाए जाने के बाद से लगातार चन्नी के आवास पर उनके समर्थकों का जमावड़ा लग रहा है. इसे कांग्रेस आलाकमान के लिए एक बड़ा राजनीतिक संदेश माना जा रहा है.

अमित शाह से मिलने पहुंचे रंधावा

इसी बीच पूर्व उप मुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा को लेकर नई खबर आ रही है. मीडिया सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस नेता दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर उनसे मुलाकात करने पहुंचे. फिलहाल आधिकारिक रूप से अभी कुछ स्पष्ट नहीं है, लेकिन, अगर पार्टी आलाकमान द्वारा जल्द ही डैमेज कंट्रोल नहीं किया गया तो प्रदेश कांग्रेस में यह असंतोष विधानसभा चुनाव में पार्टी को भारी पड़ सकता है.

इस बार नहीं लड़े पीके तो मुश्किल है

पटना. जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट से उपचुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं. यह सीट पारंपरिक रूप से भाजपा की सीट रही है और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन उस सीट से जीते थे.

नितिन नबीन राज्यसभा भेजे गए तो उनके इस्तीफे से यह सीट खाली हुई है. इस लिहाज से यह सीट भाजपा के लिए बहुत प्रतिष्ठा वाली है. प्रशांत किशोर ने पिछले साल नवंबर में हुए विधानसभा चुनाव के समय राघोपुर सीट से तेजस्वी यादव के खिलाफ लड़ने का ऐलान किया था. लेकिन ऐन मौके पर वे पीछे हट गए थे. इस भी

उन्होंने अभी तक बांकीपुर से लड़ने की आधिकारिक घोषणा नहीं की है लेकिन उनकी पार्टी की ओर से हाइप पूरी बना दी गई है.

प्रशांत किशोर के बांकीपुर से लड़ने की चर्चा दूसरी पार्टियों ने नहीं शुरू कराई है. यह चर्चा खुद प्रशांत किशोर ने कराई है. उनकी पार्टी के नेता चाहते हैं कि अगर प्रशांत लड़ते हैं तो राजद और कांग्रेस अपना उम्मीदवार नहीं देकर उनको समर्थन करें. ऐसे में विपक्ष के साझा उम्मीदवार हो सकते हैं. हालांकि राजद ने आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा है. अगर प्रशांत किशोर लड़ते हैं और साझा उम्मीदवार के तौर पर जीत कर विधानसभा पहुंचते हैं तो उनकी राजनीति को वैधता मिलेगी और विधानसभा में विपक्ष की सबसे मुखर आवाज होंगे. इससे विपक्षी पार्टियां भी चिंतित हैं. लेकिन अगर ऐन मौके पर प्रशांत पीछे हटते हैं तो उनको बारे में निगेटिव धारणा बनेगी. वे क्षेत्र में घूम रहे हैं और अगर अभी से उम्मीदवारी का ऐलान करें तो बांकीपुर का चुनाव पूरे देश की दिलचस्पी का केंद्र बनेगा.

क्यों नहीं हुआ उपचुनाव का ऐलान

राजनीतिक चालें टालने की वजह क्या है?

चेन्नई. चुनाव आयोग ने तीन राज्यों (बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात) में खाली पड़ी तीन विधानसभा सीटों के लिए उपचुनावों की घोषणा की है. ये उपचुनाव 30 जुलाई को होने हैं और वोटों की गिनती 3 अगस्त को होगी. हालांकि, तमिलनाडु में अभी सात विधानसभा सीटें खाली हैं, लेकिन खबरों के मुताबिक चुनाव आयोग ने इस राज्य के लिए घोषणा को टाल दिया है.

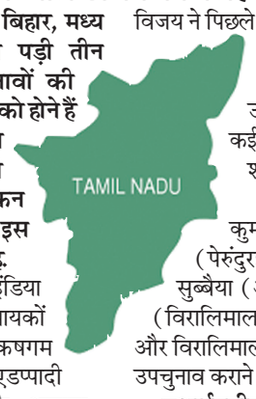

इस देरी की एक मुख्य वजह ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम के उन विधायकों का पार्टी छोड़कर तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) में शामिल होना है, जो एडप्पादी पलानीस्वामी के विरोधी हैं. इसके अलावा एआईएडीएमके और डीएमके जैसी पार्टियों ने सभी राजनीतिक दलों में हॉर्स-ट्रेडिंग (विधायकों को तोड़ने) के आरोप लगाए हैं. दरअसल तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने पिछले मई में त्रिची ईस्ट सीट से विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था.

विधायकों के लगातार इस्तीफे- उस घटना के बाद एआईएडीएमके के कई विधायकों ने तमिलगा वेत्री कषगम में शामिल होने के लिए अपने पदों से इस्तीफा दे दिया. इनमें मरगथम कुमारवेल (मदुरंथकम), जयकुमार (पेरुंदुरई), सत्यभामा (धरापुरम), इसक्की सुब्बैया (अंबासमुद्रम) और सी. विजयभास्कर (विरालिमालाई) शामिल हैं. चुनाव आयोग करूर और विरालिमालाई को छोड़कर इनमें से पांच सीटों पर उपचुनाव कराने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है.

एआईएडीएमके ने गवर्नर से की शिकायत -इस स्थिति के बीच एआईएडीएमके ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और गवर्नर अलेंकर को एक याचिका भी सौंपी है.

विशेष | **महाराष्ट्र भाजपा में भितरघात खुल कर दिखने लगा**

फड़नवीस क्या उद्धव के संकटमोचन बनेंगे

मुंबई. वैसे तो पूरे देश की ही राजनीति दिलचस्प हो गई है. पहली बार ऐसा हो रहा है कि भाजपा के अंदर का भितरघात खुल कर दिखने लगा है. नेताओं की महत्वाकांक्षाएं आपस में टकराने लगी हैं, जिससे अंदर की खबरें बाहर जा रही हैं और किसी न किसी की शह से अखबारों में खबरें छप भी रही हैं.

सोशल मीडिया में भी कई ऐसे मुद्दों पर बहस हो रही है और मुद्दे वायरल हो रहे हैं, जिनको पहले दबा दिया जाता था या काउंटर नैरेटिव के जरिए कमजोर किया जाता था. लेकिन पूरे देश में जिस राज्य की राजनीति सबसे दिलचस्प दिख रही है वह महाराष्ट्र है. साफ दिख रहा है कि दिल्ली में कोई है, जो एकनाथ शिंदे को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है और महाराष्ट्र में देवेंद्र फड़नवीस उस प्रयास को विफल करने की कोशिश कर रहे हैं. दिल्ली के चाणक्य और महाराष्ट्र के चाणक्य की बात भी हो रही है. कहा जा रहा है कि शरद पवार के बाद देवेंद्र फड़नवीस महाराष्ट्र के नए चाणक्य हैं. नए चाणक्य की महत्वाकांक्षा चंद्रगुप्त बनने की है. कई और लोगों की ऐसी महत्वाकांक्षा है. लेकिन वह अलग मामला है.

अभी महाराष्ट्र में ऐसा दिख रहा है कि देवेंद्र फड़नवीस अपनी स्वतंत्र सत्ता बचाए रखना चाहते हैं लेकिन एकनाथ शिंदे उनके लिए चुनौती पैदा कर रहे हैं. शिंदे ने उद्धव ठाकरे की पार्टी दोबारा तोड़ी है. चार साल के भीतर दूसरी बार टूट हुई है. इस बार छह लोकसभा सांसद शिंदे के साथ चले गए हैं. इसके साथ ही शिंदे की शिव सेना ने एनडीए में जनता दल यू को पीछे छोड़ दिया है. वह अब 13 सांसदों वाली पार्टी बन गई है. इसी तरह कहा जा रहा है कि शिंदे की नजर अब उद्धव ठाकरे के 20 में से 14 विधायकों पर है. अगर ऐसा होता है कि महाराष्ट्र विधानसभा में शिंदे के विधायकों की संख्या 57 से बढ़ कर 71 हो जाएगी. हालांकि 288 के सदन में भाजपा के अपने 132 विधायक हैं. ऊपर से देवेंद्र फड़नवीस की सरकार को सुनेत्रा पवार की पार्टी का समर्थन भी हासिल है.

ठाकरे को बचाने की कोशिश

फिर भी कहा जा रहा है कि फड़नवीस नहीं चाहते हैं कि एकनाथ शिंदे स्वतंत्र रूप से इतने मजबूत हो जाएं कि आगे चुनौती खड़ी कर सकें. इसलिए फड़नवीस की कोशिश उद्धव ठाकरे को बचाने की है. पिछले दिनों उद्धव प्रदेश के तीन दिन के दौरे पर निकले तो नागपुर जाने के क्रम में हवाईजहाज में उनको देवेंद्र फड़नवीस मिल गए.